एम. ए. उत्तरार्द्ध संस्कृत परीक्षा 2019-2020

प्रश्नपत्र कूट संख्या - 5644, वर्ग - 'ब'

चतुर्थ प्रश्न पत्र: न्याय एवं वैशेषिक दर्शन

पाठ्यक्रम **100 अंक**

1. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (प्रत्यक्ष खण्ड) - विश्वनाथ।
2. प्रशस्तपादभाष्य (साधर्म्य से लेकर परत्वापरत्व तक के अंश को छोड़कर समग्र)

समस्त पाठ्यक्रम तीन खंडों तथा पाँच इकाइयों में विभाजित किया गया है। इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ

प्रथम इकाई - न्यायसिद्धान्तमुक्तावली प्रत्यक्ष खण्ड की कारिका **1** से **22** तक

द्वितीय इकाई - न्यायसिद्धान्तमुक्तावली प्रत्यक्ष खण्ड की कारिका **23** से **46** तक

तृतीय इकाई - न्यायसिद्धान्तमुक्तावली प्रत्यक्ष खण्ड की कारिका **47** से **65** तक

चतुर्थ इकाई - प्रशस्तपादभाष्य पूर्वार्द्ध (प्रारम्भ से मनः प्रकरण पर्यन्त)

पंचम इकाई - प्रशस्तपादभाष्य उत्तरार्द्ध (बुद्धि प्रकरण से अन्त तक)

पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण

प्रथम खंड (वस्तुनिष्ठात्मक भाग) **20** अंक

इस खंड के अन्तर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठ कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। ये पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे तथा समस्त इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे।

द्वितीय खंड

(व्याख्यात्मक भाग) **50** अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न (अर्थात् व्याख्या) शतप्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग **250** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए **10** अंक निर्धारित हैं।

इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्नलिखित प्रकार से है -

(क) न्यायसिद्धान्तमुक्तावली के प्रत्यक्ष खण्ड की **1** से **22** कारिकाओं में से दो कारिकाएँ देकर किसी एक की व्याख्या मुक्तावली के आलोक में। **10** अंक

(ख) न्यायसिद्धान्तमुक्तावली के प्रत्यक्ष खण्ड की **23** से **47** तक की कारिकाओं में से दो कारिकाएँ देकर किसी एक की व्याख्या मुक्तावली के आलोक में। **10** अंक

(ग) प्रशस्तपादभाष्य के पूर्वार्द्ध भाग से कोई दो व्याख्येय अंश देकर एक की सप्रसंग संस्कृत में व्याख्या पूछी जाएगी। **10** अंक

(घ) प्रशस्तपादभाष्य के उत्तरार्द्ध भाग से कोई दो व्याख्येय अंश देकर एक की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाएगी। **10** अंक

तृतीय खंड

(निबंधात्मक भाग) **30** अंक

इस खंड के अंतर्गत दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। इनके लिए **15 - 15** अंक निर्धारित हैं।

1. उक्त खंड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधारस्वरूप होंगे - न्यायसिद्धान्तमुक्तावली के प्रत्यक्ष खण्ड में विवेचित विषय-मंगलाचरण का प्रयोजन, ईश्वर-सिद्धि, पदार्थ-विभाग एवं स्वरूप, शक्ति और सादृश्य, पदार्थ का खण्डन, सामान्यनिरूपण एवं जातिबाधक, विशेष पदार्थ, समवाय पदार्थ, भेद सहित अभावनिरूपण, कारण लक्षणभेद सहित, अवयवी की सिद्धि, परमाणु की सिद्धि, शरीरात्मवाद का खण्डन, विज्ञानवाद का खण्डन, षोढासन्निकर्ष सहित प्रत्यक्ष निरूपण, अलौकिक सन्निकर्ष के भेद व लक्षण। **15** अंक

2. उक्त खण्ड के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधारस्वरूप होंगे - प्रशस्तपादभाष्य के निर्धारित भाग में से विवेचित विषय पृथिवी, जल, तेज, वायु निरूपण, सृष्टि-संहार-प्रक्रिया, आत्मा, अविद्या, विद्या, हेत्वाभास, कर्म, संसारापवर्ग, सामान्य-विशेष, समवाय। **15** अंक

सहायक पुस्तकें -

1. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली - ज्वालाप्रसाद गौड़

2. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (प्रत्यक्ष खण्ड) - डॉ. धर्मेन्द्रनाथ शास्त्री

3. भारतीय दर्शन न्याय - वैशेषिक - डॉ. धर्मेन्द्रनाथ शास्त्री

4. भारतीयन्यायशास्त्र - डॉ. ब्रह्ममित्र अवस्थी

5. वैशेषिकदर्शन - डॉ. श्री नारायण मिश्र

6. प्रशस्तपादभाष्य - सम्पादक डॉ. श्री नारायण मिश्र

******